

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II---खण्ड 3---उपखण्ड (ii)

PART II-Section 3-Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 431] नई हिल्ने, बुजवार, सितम्बर 27, 1972/म्राश्विन 5, 1894

No. 431] NEW DELHI, WEDNESDAY, SEPTEMBER 27, 1972/ASVINA 5, 1894

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सर्क ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

ORDER

New Delhi, the 27th September 1972

S.O. 629(E)/15/IDRA/72.--Whereas the industrial undertaking known as the Arthur Butler and Company (Mezufferpore) Limited is engaged in the scheduled industry, namely, the transportation industry;

And whereas it has come to the notice of the Central Government that the volume of production of the articles manufactured in the said industrial undertaking had been gradually going down and the production has now come to a standstill consequent upon the closure of the said industrial undertaking by the management;

And whereas the Central Government is of opinion that it is expedient to take urgent measures to remedy the situation arising out of the closure of the said industrial undertaking and to ensure that production in the said scheduled industry does not Suffer to the detriment of the public interest;

PART IN

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 15 of the industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby appoints, for the purpose of making a full and complete investigation into the current cumstances of the case, a body of persons consisting of:

Chairman

1. Shri S. Majumdar, Industrial Adviser, D.G.T.D., New Delhi.

Members

- Shri R. N. Choudhari, Industrial Adviser (Engneering), Industries Department, Government of Bihar, Patna.
- Shri S. K. Chakravarty, Manager (Tech.), Industrial Reconstruction Corporation of India, Calcutta.
- 2. The said body shall submit its report within six weeks of the date of this Order.

[No. F. 25/14/72-CUC.]

K. S. BHATNAGAR, Jt. Cocy.

ग्रीद्योगिक विकास मंत्रालय

ग्रादेश

नई दिल्ली, 27 सितम्बर, 1972

कां आं 629(म्)/15/माई० डी॰ मार० ए०/72.—यत: मार्थेर बटलर एण्ड कथ्यके (मुजयकरपुर) लिमिटेड नाम से जात भौद्योगिक उपक्रम, अनुसूचित उद्योग मर्थात् परिवाहन उद्योव में नगा हुमा है;

भीर यतः केन्द्रीय सरकार की जानकारी में यह श्राया है कि उक्त शौद्योगिक उपक्रम में विनिर्मित बस्सुओं के उत्पादन की माला धीरे-धीरे कम होती जा रही है भीर प्रवन्ध मण्डल द्वारा उक्त श्रौद्योकिक जपक्रम को बन्द कर दिए जाने के परिणामस्वरूप उत्पादन श्रव शून्य हो गया है;

श्रीर यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि उक्त श्रीद्योगिक उपक्रम के बन्द होने से उत्पन्न स्थिति को सुधारने के लिए श्रीर यह सुनिश्चित करने के लिए कि उक्त श्रापुचित उद्योग के उत्पादन में ऐसी कमी न हो जिससे लोक हित को हानि पहुंचे, श्रत्यावश्यक उपाय गरने ममीचीन है;

श्रतः श्रव, उद्योग (विकास श्रीर विनियमन) श्रिधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 15 को अदश मांक्सभों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार इस मान्यों की परिस्थितियों का पूरी तरह से श्रन्वेषण करने के प्रयोजन के लिए एतद्शारा निम्नलिखित अपित्र का एक निकाय नियुक्स करती है:

अग्सका

1. श्री एस० मजुमदार, श्रीद्योगिक सलाहकार, बी० जी० टी० हं 💛 विल्ली।

सदस्य

- 2. श्री श्रार० एन० चौधरी, श्रौद्योगिक सलाहकार (दंजीनियरी), उद्योग विभाग, विद्वार सरकार, पटना ।
- ¾ श्री एस० के० चन्नवर्ती, प्रबन्धक (तक्क) भारतीय श्रीद्योगिक पुनर्गठन निगम, अलक्ता ।
- 2. उक्त निकाय इस ध्रादेश के राजपत्त में प्रकाशित की तारीख से छह सप्ताइ के भीतर अपनी रिपोर्ड प्रस्तुत करेगा ।

[सं॰ फा॰ 25(14)/72-सी॰ वृ॰ सी॰] के॰ एस॰ भटनागर, संयुक्त सनिष ।